



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 13 दिसंबर, 2025

जारी करने का समय: 1220 घंटे

विषय: (i) 14 और 15 दिसंबर को तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर शीतलहर की स्थिति रहने की प्रबल संभावना है; 14 दिसंबर को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में शीतलहर रहेगी, जबकि 14 दिसंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भीषण शीतलहर की स्थिति रहने की संभावना है।

(ii) 14 से 16 दिसंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में सुबह के समय घना कोहरा छाने की प्रबल संभावना है, और 14 और 15 दिसंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में अत्यधिक घना कोहरा रहेगा। 14 से 18 दिसंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और निपुरा के कुछ क्षेत्रों में सुबह के समय घना कोहरा छाने की प्रबल संभावना है; 14 से 16 दिसंबर के दौरान असम, मेघालय और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 14 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश में; 15 और 16 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी कोहरा छाने की संभावना है।

अतीत 24 घंटों (13 दिसंबर, 0830 आ.मा.स. तक) के दौरान वास्तविक मौसम:

- हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, असम और मेघालय के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) दर्ज किया गया है।
- दर्ज की गई दृश्यता (≤ 200 मीटर) (मीटर में): असम और मेघालय: बारपानी 50 मीटर, जोरहाट 150 मीटर; ओडिशा: रातरकेला 100 मीटर; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर 100 मीटर; पूर्वी उत्तर प्रदेश: वाराणसी, कुशीनगर, बलिया, आजमगढ़, कानपुर - प्रत्येक 50 मीटर और गोरखपुर 100 मीटर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश: मुरादाबाद 50 मीटर।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बनी हुई है, जबकि उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भीषण शीत लहर की स्थिति है।
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा में पिछले 7 दिनों से शीत लहर की स्थिति बनी हुई है।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनियाँ (परिशिष्ट 1 एवं 11 देखें):

- पश्चिमी विक्षोभ अब उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में दिखाई दे रहा है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तर पर एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक गर्त के रूप में लगभग 52° पूर्व देशांतर के अनुदिश, 31° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- पूर्वांतर भारत में 12.6 किमी समुद्र तल से ऊपर लगभग 95 समुद्री मील की गति वाली उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम का प्रभाव बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम संभावित हैं:

- पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में 13 से 18 दिसंबर तक और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में 13 और 14 दिसंबर को तथा अरुणाचल प्रदेश में 15 से 17 दिसंबर तक छिटपुट स्थानों पर हल्की वर्षा/बर्फबारी की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 13 से 15 दिसंबर के दौरान छिटपुट स्थानों पर गरज और बिजली के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की प्रबल संभावना है।

आज, 13 दिसंबर, 0830 भा.मा.स. तक के पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान दशाएँ:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बालिटस्तान-मुजफ्फरबाद में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में कुछ स्थानों पर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा; राजस्थान और उत्तर-पूर्वी भारत में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस मुजफ्फरनगर (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6 डिग्री सेल्सियस से -3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा; तटीय आंध प्रदेश और यन्म में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहा; सौराष्ट्र और कच्छ, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड और केरल और माहे में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे (-3.1 डिग्री सेल्सियस से -5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा; मध्य महाराष्ट्र में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1 डिग्री सेल्सियस से -5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मराठवाड़ा के कुछ स्थानों पर; पश्चिमी मध्य प्रदेश, असम, मेघालय और कॉकण एवं गोवा के कुछ अलग-अलग स्थानों पर (परिशिष्ट IV देखें) न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी जा रही है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बालिटस्तान-मुजफ्फरबाद और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कई हिस्सों में; विदर्भ, असम, मेघालय, गंगा के पश्चिमी बंगाल और ओडिशा के कुछ अलग-अलग हिस्सों में भी न्यूनतम तापमान में गिरावट देखी जा रही है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले दो दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में लगभग 20 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- अगले पांच दिनों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में 2-30 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा। अगले चार दिनों के दौरान गुजरात क्षेत्र में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन न होने की संभावना है और उसके बाद अगले तीन दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।
- अगले सात दिनों के दौरान मध्य भारत, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।

सघन कोहरा एवं शीत लहर चेतावनियाँ:

- 14 और 15 दिसंबर को तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में शीतलहर चलने की प्रबल संभावना है; छत्तीसगढ़ और ओडिशा में 14 दिसंबर को शीतलहर चलने की संभावना है, वहीं उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 14 दिसंबर को भी शीतलहर चलने की संभावना है।
- 14 से 18 दिसंबर के दौरान नागार्लेंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाने की प्रबल संभावना है; असम, मेघालय और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 14 से 16 दिसंबर के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 14 दिसंबर को; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 15 और 16 दिसंबर को भी कोहरा छा सकता है।
- 14 से 16 दिसंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाने की प्रबल संभावना है, वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में 14 और 15 दिसंबर को अत्यधिक घना कोहरा छा सकता है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 13 दिसंबर से 18 दिसंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में 13 से 16 दिसंबर के दौरान मछली पकड़ने न जाएं।

ii) दिल्ली/एनसीआर में 13-16 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (परिशेष्ट III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

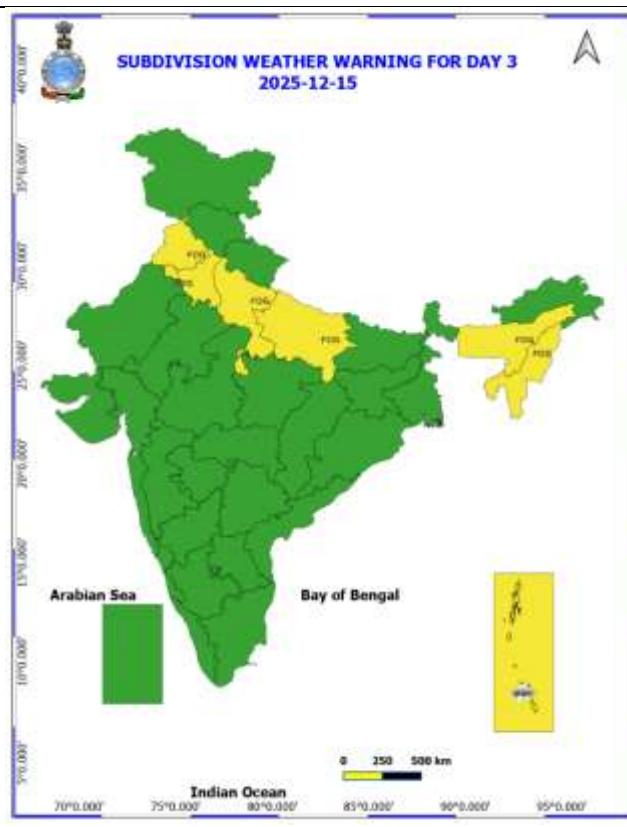
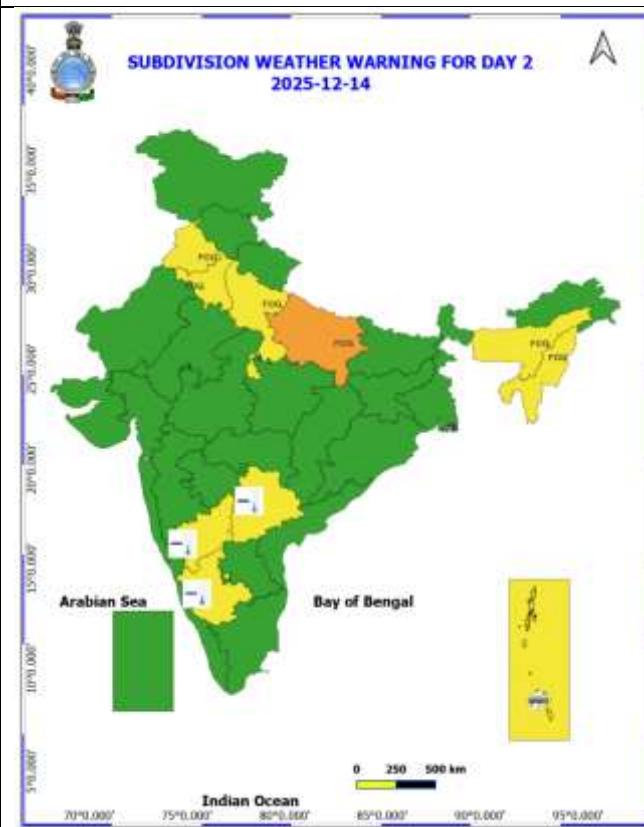
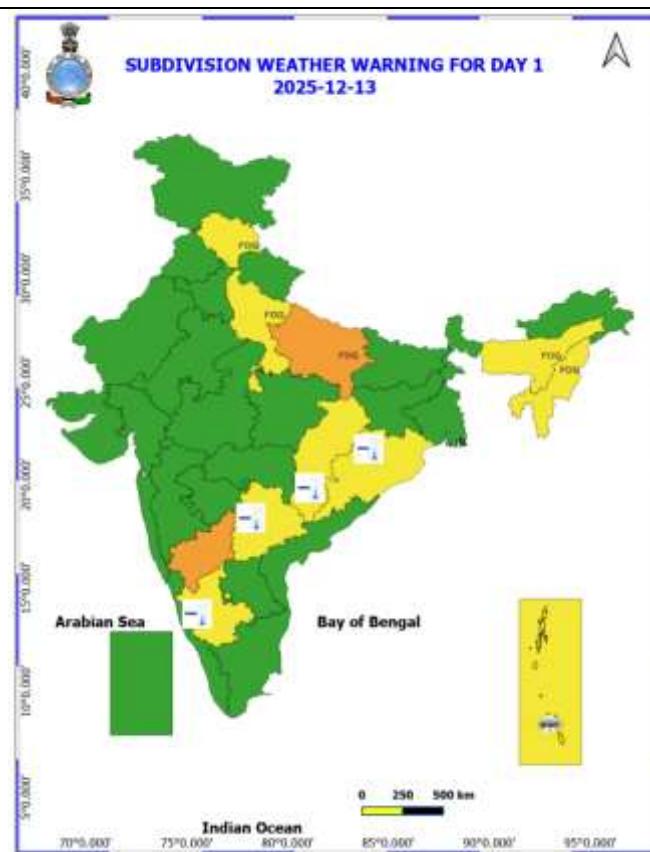
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

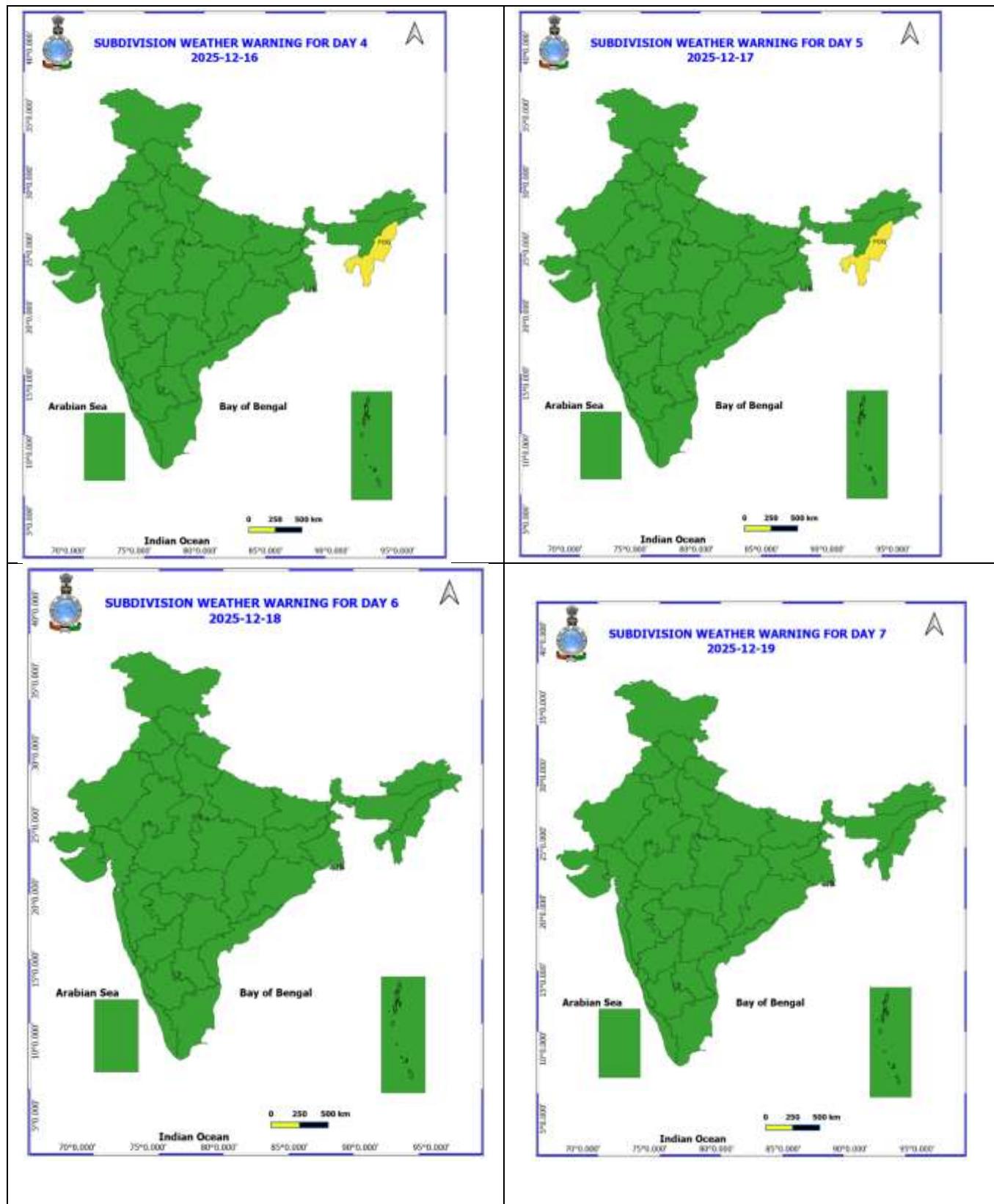
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

Table-1
7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	13- Dec	14- Dec	15- Dec	16- Dec	17- Dec	18- Dec	19- Dec
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY						
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY						
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY						
7	ODISHA	DRY						
8	JHARKHAND	DRY						
9	BIHAR	DRY						
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY						
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY						
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY						
14	PUNJAB	DRY						
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY						
18	EAST RAJASTHAN	DRY						
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY						
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY						
21	GUJRAT REGION	DRY						
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY						
23	KONKAN & GOA	DRY						
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY						
25	MARATHWADA	DRY						
26	VIDARBHA	DRY						
27	CHHATTISGARH	DRY						
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY						
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL						
32	COSTAL KARNATAKA	DRY						
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY						
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY						
35	KERALA AND MAHE	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

13 से 16 दिसंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 से 27 डिग्री सेल्सियस और 8 से 9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से -3.0 डिग्री सेल्सियस) है, जबकि दिल्ली में यह सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। दिल्ली में अधिकतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस), कई स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) और कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.0 से 5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। 13 दिसंबर 2025 को सुबह 8:00 बजे से 9:00 बजे तक सफदरजंग हवाई अड्डे पर दृश्यता सबसे कम 400 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुबह 9:30 बजे बढ़कर 500 मीटर हो गई। पालम हवाई अड्डे पर 13 दिसंबर 2025 को सुबह 7:00 बजे से 8:00 बजे तक सबसे कम दृश्यता 700 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में सुबह 3:30 बजे तक बढ़कर 800 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली। आज सुबह के समय क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली।

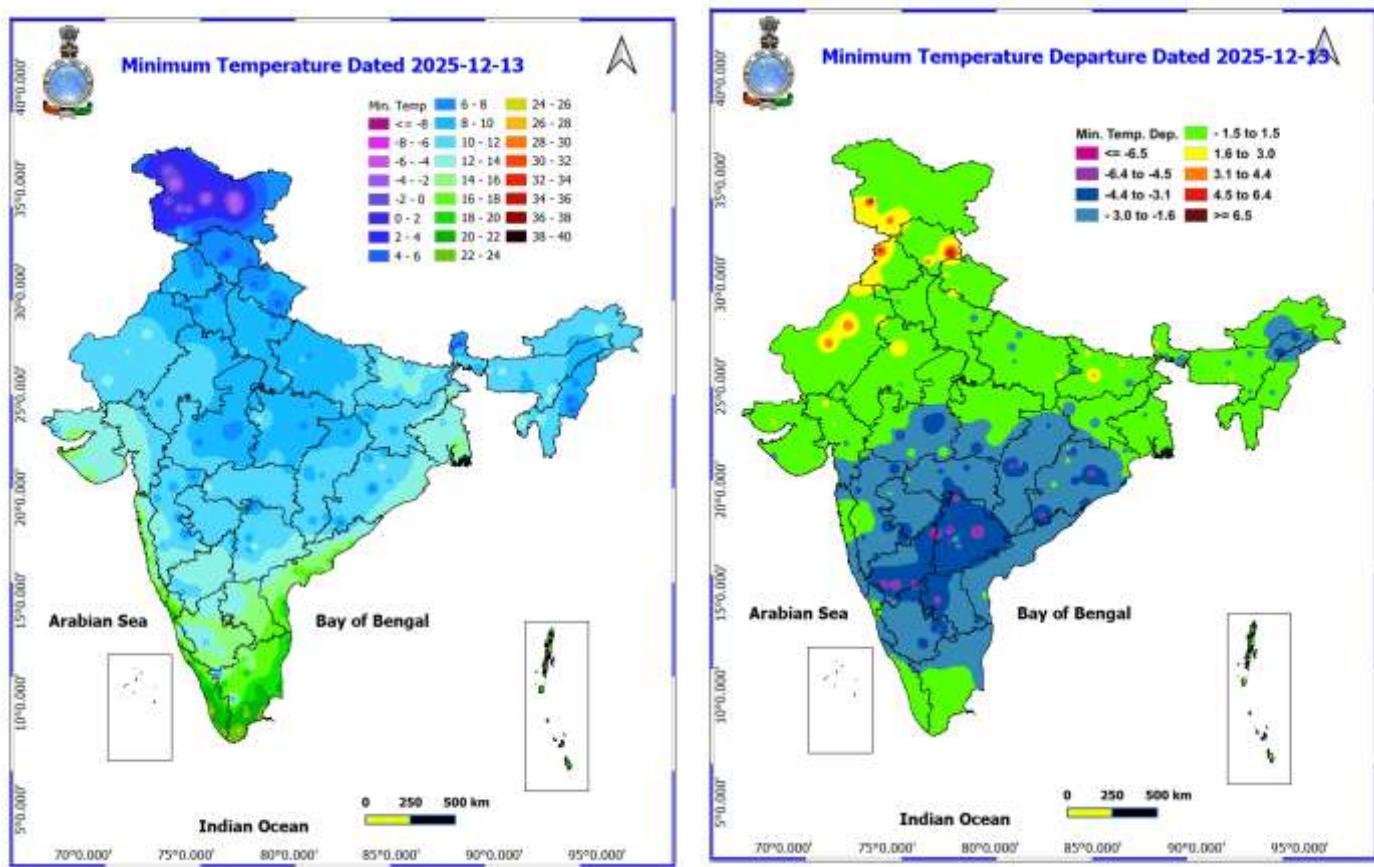
मौसम पूर्वानुमान:

13.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात में धूंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (2.0 डिग्री सेल्सियस तक) रहेगा। दोपहर के समय पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय पूर्वी दिशा से हवा की गति 5 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी।

14.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 से 25 डिग्री सेल्सियस और 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.4 से 2.4 डिग्री सेल्सियस तक) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (2.0 डिग्री सेल्सियस तक) रहेगा। सतही हवा का प्रमुख प्रवाह पूर्व दिशा से होने की संभावना है, जिससे सुबह के समय हवा की गति 5 किमी प्रति घंटा तक शांत रहेगी। दोपहर में हवा की गति उत्तर दिशा से 5 किमी प्रति घंटा तक समान रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 5 किमी प्रति घंटा तक समान रहेगी।

15.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर हल्की धूंध रहेगी और कुछ स्थानों पर मध्यम धूंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24 से 26 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.0 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से ही रहेगी और 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 5 किमी प्रति घंटा से नीचे आ जाएगी।

16.12.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह के समय हल्की धूंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24°C से 26°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.0 से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।



- तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटक में 14 और 15 तारीख को कुछ स्थानों पर शीत लहर/तीव्र शीत लहर की स्थिति रहने की संभावना है; छत्तीसगढ़ और ओडिशा में 14 तारीख को शीत लहर की संभावना है, साथ ही उतरी आंतरिक कर्नाटक में 14 दिसंबर को भीषण शीत लहर की स्थिति रहने की संभावना है।

प्रभाव अपेक्षित

- फ्लू, बहती/नाक बंद होना या नाक से खून आना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं या बढ़ जाती हैं।
- कंपकंपी को नजरअंदाज न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर आ जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से शीतदंश हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः शरीर के खुले हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कानों पर काले छाले दिखाई देते हैं। गंभीर शीतदंश में तत्काल चिकित्सा ध्यान और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

सुझाए गए उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश ऊष्मा इन्हीं अंगों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के वज़न के गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियाँ खाएँ और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएँ।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें, यदि गीला हो, तो शरीर की गर्मी को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वाटरप्रूफ जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को झोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।
- जहरीले धुएं से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वैंटिलेशन बनाए रखें।

- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
- ❖ शीतदंश/ हाइपोथर्मिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता लें।
- ❖ पशुओं को ठंड के मौसम से बचाएँ।

- सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है: 14 से 18 दिसंबर के दौरान नागार्लैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ इलाकों में; 14 से 16 दिसंबर के दौरान असम, मेघालय और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 14 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश में; 15 और 16 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में तथा 14-16 दिसंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरा छाया रहेगा।

❖ परिवहन और विमानन:

- मेट-उप-मंडल के क्षेत्रों में कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर प्रभाव पड़ सकता है।
- धीमी यात्रा के समय के साथ कठिन ड्राइविंग परिस्थितियाँ।
- यदि एहतियाती उपाय नहीं किए गए, तो इससे कुछ सड़क यातायात दुर्घटनाएँ हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रॉकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रॉकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
 - वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
 - अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।
- ❖ विद्युत क्षेत्र:
- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
 - मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना।

शीत लहरों/सामान्य से कम तापमान के संभवित प्रभाव के लिए कृषि मौसम विज्ञान संबंधी सलाह

- ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, अंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्बिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

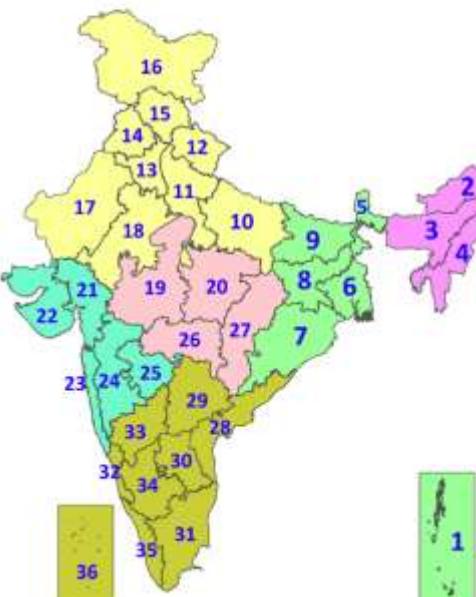
मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखण्ड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यन्म, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखण्ड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखण्ड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)		
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)		
26-50	Scattered (SCT/A Few Places)		
1-25	Isolated (ISOL)		



COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75